

Sardar Parkash Singh Badal

Sardar Parkash Singh Badal is an Indian politician, who has been the Chief Minister of Punjab for four terms previously - from 1969-71, 1977-80, 1997-2002, 2007-2012 and is currently the Chief Minister of the state for the fifth term. Few in this country can claim to have remained in the forefront of public life for almost the entire period of the post-Independence India as he has been, making him the grand patriarch on the Indian political scene.

2. Born on December 8, 1927 in village Abul Khurana, Sardar Badal did his graduation from FC College Lahore. He entered politics in 1947 and became the Sarpanch of his village. He was elected to the state legislative assembly first in 1957. He was re-elected to Vidhan Sabha in 1969. He served as the Minister for Community Development, Panchayati Raj, Dairy, Fisheries and Animal Husbandry. He was the Chief Minister of Punjab for four terms previously - from 1969-71, 1977-80, 1997-2002, 2007-2012 and is currently the Chief Minister of the state for fifth term. He has been a Member of Parliament and has served the position of the Union Minister of Agriculture and Irrigation in the Union Government headed by late Shri Morarji Desai in 1977.

3. Sardar Badal's contributions towards the welfare of people of Punjab have been enormous. Apart from carrying out various welfare services, he has contributed in the upliftment of the society and states, introducing various welfare schemes that has benefitted his state largely. His life is a saga of struggle for safeguarding human rights, civil liberties, freedom of the press and other democratic values in the country. He has spent the better part of the prime of his life in prison fighting for popular causes in independent India. Throughout his life, he has championed the cause of the poor and the underprivileged people, especially the poor peasantry and landless labourers. He has been beacon-light of peace and communal harmony in society, emerging as a strong voice of sanity and humane values. Completing more than half a century in political life, Sardar Badal has worked consistently for the establishment of a genuinely federal structure in the country.

4. All his life, Sardar Badal has worked closely with the common people, earning him the well deserved sobriquet of "Man of the Masses" and a true grass-root leader. Even today at the age of 86 years, he regularly holds Sangat Darshans in villages across Punjab by going to the doorsteps of the people to redress their grievances. His contribution to the cause of his state has been phenomenal indeed.

5. Sardar Badal has numerous awards and coveted honours to his credit for distinguished services and life time achievements. However, the most revered honor bestowed upon him was the legendary title of 'Panth Rattan Faqhr-e-Quam' from Sri Akal Takhat Sahib in recognition of his outstanding contribution and glorious services rendered by him during his long Panthic and political career.

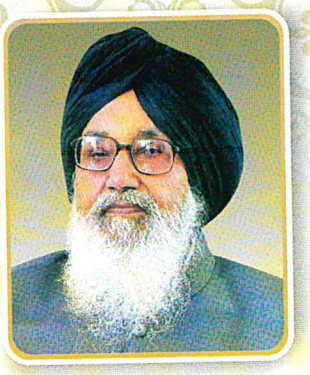

सरदार प्रकाश सिंह बादल

सरदार प्रकाश सिंह बादल एक भारतीय राजनीतिज्ञ हैं, जो पहले सन् 1969-71, सन् 1977-80, सन् 1997-2002 और सन् 2007-2012 तक चार बार पंजाब के मुख्यमंत्री रहे हैं तथा इस समय पांचवीं बार पंजाब राज्य के मुख्यमंत्री हैं। इस देश में आप जैसे कुछ ही ऐसे व्यक्ति रहे हैं जोकि भारत को स्वतन्त्रता मिलने के बाद की लगभग सम्पूर्ण अवधि के दौरान सार्वजनिक जीवन में आगे रहने का दावा कर सकते हैं। आपकी इस विरली विशेषता ने आपको भारतीय राजनैतिक दृश्य में एक अत्यन्त सम्मानीय व्यक्ति के रूप में स्थापित किया है।

2. आपका जन्म दिसम्बर 08, 1927 को अबुल खुराना गांव में हुआ। आपने एफ.सी. कॉलिज, लाहौर से स्नातक की उपाधि हासिल की। आप सन् 1947 में राजनीति में आए और अपने गांव के सरपंच बने। आप पहली बार सन् 1957 में अपने राज्य की विधान-सभा के लिए निर्वाचित हुए। आप सन् 1969 में विधान-सभा के लिए दोबारा निर्वाचित हुए। आपने सामुदायिक विकास, पंचायती राज, डेयरी, मत्स्य-पालन और पशुपालन मंत्री के रूप में अपने राज्य की सेवा की। आप सन् 1969-71, सन् 1977-80, सन् 1997-2002 और सन् 2007-2012 तक चार बार पंजाब राज्य के मुख्यमंत्री रहे हैं तथा इस समय पांचवीं बार पंजाब राज्य के मुख्यमंत्री हैं। आप संसद-सदस्य भी रहे हैं और आपने सन् 1977 में स्वर्गीय श्री मोरारजी देसाई के नेतृत्व में बनी सरकार में केन्द्रीय कृषि और सिंचाई मंत्री के रूप में देश की सेवा की।

3. पंजाब के लोगों के कल्याण के प्रयासों में आपका बहुत बड़ा और उल्लेखनीय योगदान रहा है। विभिन्न कल्याणकारी सेवाएं करने के अलावा, आपने अपने राज्य को बड़े पैमाने पर फ़ायदा पहुँचाने वाली विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं शुरू करके, समाज और राज्य के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान किया है। आपका जीवन, देश में मानव-अधिकारों, नागरिक-स्वतंत्रता और अन्य लोकतांत्रिक मूल्यों की हिफ़ाजत करने के संघर्ष की ही गाथा रहा है। आपने अपने जीवन के महत्वपूर्ण समय का ज़्यादातर समय, स्वतंत्र भारत में जनता के हित से जुड़े लोकप्रिय मुद्दों के लिए लड़ते हुए जेल में बिताया। आप जीवनभर ग़रीब और बुनियादी सुविधाओं से वंचित लोगों, विशेष रूप से ग़रीब खेतिहर किसानों और भूमिहीन मज़दूरों के हितों के हिमायती रहे हैं। आप समाज में शान्ति और साम्प्रदायिक सद्भाव की मशाल रहे हैं और आप समझदारी तथा मानवीयता से संबंधित मूल्यों की बुलन्द आवाज़ के रूप में उभरे हैं। राजनैतिक जीवन में आधी सदी से ज़्यादा पूरी करके, आपने देश में सच्चा संघीय ढांचा क़ायम करने की दिशा में लगातार डटकर काम किया है।

4. आपने जीवनभर जन साधारण से नज़दीकी से जुड़े रहकर, उनके हितों के लिए लड़ने का काम किया है और अपनी शख़्सीयत के लिहाज़ से मुनासिब जन-नायक (Man of the masses) और ज़मीन से जुड़े नेता का खिताब हासिल किया है। यहां तक कि आजकल 86 साल की उम्र में भी आप पूरे पंजाब के गांवों में लोगों की शिकायतों और उनकी समस्याओं को सुलझाने के लिए उनके दरवाज़े पर जाकर नियमित रूप से संगत दर्शन संबंधी बैठकें करते हैं। अपने राज्य के हितों की हिफ़ाजत करने में आपका योगदान, सचमुच बहुत ज़्यादा अहम और असरदार रहा है।

5. आपको अपनी विशिष्ट और उल्लेखनीय सेवाओं तथा आजीवन उपलब्धियों के फलस्वरूप कई पुरस्कारों और सम्मानों से नवाज़ा गया है। फिर भी, इन सम्मानों में, आपके लंबे पंथिक जुड़ाव और राजनैतिक जीवन के दौरान, आपके उत्कृष्ट योगदान और आपकी शानदार सेवाओं की क़द्र करते हुए अकाल तख़्त साहिब द्वारा आपको दिया गया मशहूर खिताब 'पंथ रतन फ़ख़्र -ए-क़ौम' सबसे ज़्यादा अहम है।